कुछ सामान्य प्रश्न जो निवासी जानना चाहते हैं

- वे (सेवादाता जैसे शिक्षक, ए०एन०एम०, सफाईकर्मी) हमलोगों से ज्यादा प्रशिक्षित एवं बुद्धिमान हैं। वे हमलोगों की बातों का ध्यान नहीं देते हैं।
- वे डराते भी हैं, जब उनसे कुछ शिकायत करते हैं।
- हमने सेवा एवं सुविधा के लिए शिकायत किया परंतु शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।
- हमलोगों के पास अपना काम करना होता है तो इस काम में हम समय नहीं दे सकते हैं।
- हमें इस काम में कितना समय देना होगा?
- हमारे प्रयास का प्रभाव नहीं होता है।
- गरीब एवं मजदूरी करनेवाले माँ-बाप अपने बच्चे की शिक्षा पर ध्यान नहीं दे पाते हैं।
- एक निवासी का शिकायत वार्ड में या पंचायत में कोई नहीं सुनता है।
- कोर्ट-कचहरी के चक्कर में हमलोग पड़ना नहीं चाहते। यह बहुत थकान और परेशानी वाला होता है।
- विद्यालय में योग्य शिक्षक नहीं हैं।
- वार्ड पार्षद से शिकायत करने से दुश्मनी हो जाती है, इससे कैसे बचा जाए ?
- वार्ड पार्षद नहीं चाहते हैं कि कोई भी जनता किसी एक सेवादाता के विरुद्ध शिकायत करें।
- प्रखण्ड में काम के लिए रिश्वत की मांग की गई।
- योजना की राशि में बहुत घोटाला है।
- हमलोग "एरिया-सभा" करते हैं, लेकिन फायदा नहीं होता है। एजेण्डा को महत्व नहीं दिया जाता है।
- सरकारी योजना का लाभ जनप्रतिनिधि अपने लोगों को देते हैं। हमलोग क्या करें ?
- सरकारी योजना का लाभ जरूरतमंद लोगों को नहीं मिलता, क्या करें ?
- गली-नाले की सफाई के लिए वार्ड में पैसा आता है। फिर सफाई हम क्यों करें ?
- लोग गली में कूड़ा फेंकते हैं, कुछ कहने पर वाद-विवाद होता है फिर हम क्यों झगड़ा मोल लें ?
- लोग सड़क पर शौच करते हैं, उनको मना करने पर वाद-विवाद होता है, फिर हम किस-किस झगड़ा मोल लें ?
- मेरा बच्चा तो वार्ड के विद्यालय में नहीं पढ़ता है फिर हम क्यों विद्यालय की चिंता करें ?
- मुखिया एवं वार्ड पार्षद को हमलोगों ने चुना ही है वार्ड का काम करने के लिए, फिर हम क्यों देखें?
- हमको यह सब करने से फायदा क्या है?
- आपलोगों को तो निवासी/एरिया सभा कराने के लिए पैसा मिलता है। आप लोग ही निवासी सभा करवाएँ हमलोग उसमें आ जाएंगे। हमलोग निवासी सभा की व्यवस्था नहीं कर सकते।

जब निवासियों के बीच निवासी सभा के महत्व और आवश्यकता पर चर्चा की जाती है तो ऊपर में वर्णित कुछ सवालों के जवाब निवासी आम तौर पर जानना चाहते हैं। इनमें से कुछ प्रश्नों पर कुछ विचार प्रस्तुत किया गया है।

यह पुस्तक जमिनी स्तर पर कार्य करते हुए लिखा गया है। इस प्रश्नों को खुली चर्चा के रूप में लेते हुए पाठकों से निवेदन है कि, अपना विचार व्यक्त करने की कृपा करें।

प्रश्न: वे (सेवादाता जैसे शिक्षक, ए0 एन0 एम0, सफाई कर्मी) हमलोगों से ज्यादा प्रशिक्षित एवं बुद्धिमान है वे हमलोगों की बातों का ध्यान नहीं देते हैं।

चर्चा - यह सही है कि एक सेवा प्रदान करनेवाले कर्मी या पदाधिकारी अपने सेवा क्षेत्र के मामले में हमलोगों (निवासियों) से ज्यादा जानकार हैं एवं प्रशिक्षित भी होते हैं। यह भी हो सकता है, बुद्धिमत्ता में वे अपने आप को हमलोगों से ऊपर समझते हों। परन्तु सेवा के अपेक्षित स्तर (जैसे बच्चों की शिक्षा बच्चे सीख रहे या नहीं) की जानकारी लेने के लिए विशेष बुद्धिमत्ता की आवश्यकता नहीं है। बच्चे हमारे हैं, बच्चे सीख रहें या नहीं मालूम करना बहुत आसान है। खास तौर पर कम उम्र के बच्चों की शिक्षा के संबंध में। इसके अतिरिक्त:

वे शिक्षक हैं और यदि बच्चे नहीं सीख रहे हैं तो उन्हें हमारी उचित बातों पर ध्यान देना ही होगा, हमारी बातों का निदान करना ही होगा। सार्वजनिक क्षेत्र के सभी सेवादाता लाभार्थी के प्रति तो उत्तरदायी हैं ही, समाज के प्रति भी जवाबदेह हैं। यदि वे आपके वाजिब बातों पर ध्यान नहीं देते हैं तो इसके लिए निवासियों की सभा में मिलजुलकर निदान निकालना होगा। शिक्षक को आपके बच्चों के सीखने के लिए जवाबदेह बनाना होगा।

प्रश्न: वे डराते भी हैं (छोलनी दिखाकर) जब उनसे कुछ शिकायत करते हैं।

चर्चा - उनसे बोलें कि हमें डराने की आवश्यकता नहीं है। हमारी वाजिब माँग एवं आवश्यकता के साथ पूरे गाँव के निवासी हैं। शिक्षक को बताइए कि वे भी इसी समाज के सदस्य हैं, इस प्रकार हमें आपका भी साथ चाहिए। इस डराने की पूरी घटना को बिन्दुवार लिखकर "निवासी-सभा" के एजेंडा में शामिल करें और उचित निर्णय लेकर निवासी सभा के साथ आगे बढ़ें।

प्रश्न: हमने सेवा एवं सुविधा के लिए शिकायत किया परंतु शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

चर्चा - यह संभव है कि शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई हो। इसका मतलब है कि हमें सही सेवा मिले इसके लिए सिर्फ एक शिकायत से काम नहीं चलेगा। एक उपाय है नियमित शिकायत करें। सभी शिकायत एवं उसके नतीजे को व्यवस्थित रूप से लिख कर रखें। एक अंतराल जैसे 2 माह या 3 माह में एक बार सभी शिकायतों को इकट्ठा कर सक्षम पदाधिकारी के पास एक साथ शिकायत करें। इस कार्य में अपने प्रतिनिधियों से मदद लें। यह अच्छी सेवा प्राप्त करने की मुहिम है।

प्रश्न: हमलोगों के पास अपना काम करना होता है तो निवासी सभा में हम समय नहीं दे सकते हैं।

चर्चा - हम सभी लोग व्यस्त लोग हैं। इसी व्यस्त समय में हमलोग खाते हैं, गप्पें करते हैं, कुछ मनोरंजन भी करते हैं। निवासियों की सभा के लिए हमें दिनचर्या में से प्रतिमाह 2 से 3 घंटे का समय निकालना ही होगा। 2-3 घंटे ज्यादातर लोग निकालते हैं, तो किसी एक व्यक्ति पर भार नहीं पड़ेगा। सबको सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा का भरपूर लाभ मिलेगा।

किन्हीं के पास समय की कमी है यह एक सच्चाई है। इस व्यस्तता में हम अपने भविष्य एवं अपने बच्चों के लिए समय निकालते हैं। निवासी सभा के संदर्भ में बहुत समय की आवश्यकता नहीं होती है। प्रत्येक तीन माह पर क्षेत्र के अलग-अलग निवासी किसी सेवा क्षेत्र के सेवा-स्तर की वस्तु स्थिति की जानकारी के लिए समय देते हैं। निवासी सभा के निर्णय को लागू करवाने में चयनित स्वयंसेवी व्यक्ति को 1-2 माह में 2-4 घंटे का समय देना है। निवासी सभा के चयनित स्वयंसेवक प्रति माह बदल भी सकते हैं।

प्रश्न: हमें इस काम में कितना समय देना होगा?

चर्चा - निवासी सभा प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लेने के लिए "निवासी-सभा" आयोजन के दिन 1-2 घंटा।

स्वयंसेवक (किसी कार्य को करने के लिए चयनित व्यक्ति) को माह में 4-6 घंटे का समय देना होता है। प्रत्येक माह स्वयंसेवक बदलते रहते हैं।

प्रश्न: हमारे प्रयास का प्रभाव नहीं होता है।

चर्चा - इस सवाल का चर्चा दो भाग में करना होगा-

पहला निवासी के रूप में अपना काम तो करना ही होगा चाहे सामने वाला व्यक्ति (सेवादाता) अपना काम करे या नहीं।

दूसरा, आप अकेले प्रयास करेंगे तो सफलता की संभावना कम हो जाती है। सभी निवासियों या ज्यादा-से-ज्यादा निवासियों को साथ आना होगा। आपने जो भी प्रयास किया है उसका लिखित रिकॉर्ड रखें - सेवादाता के साथ बातचीत का समय, सेवादाता का क्या कहना है, पुराने पूरे नहीं किए गए वादे के बारे में वे क्या बोले। ये सब हमें ज्यादा समय देने के लिए नहीं बोलते हैं बल्कि, कुछ व्यवस्थित होने की आवश्यकता है।

प्रश्न: गरीब एवं मजदूरी करनेवाले माँ-बाप अपने बच्चे की शिक्षा पर ध्यान नहीं दे पाते हैं।

चर्चा - गरीब-मजदूर खाना खाते हैं। कानूनी रूप से कुछ आधारभूत सेवाओं को सभी भारतीयों को पाने का हक है। आप जिस क्षेत्र में रहते हैं, वहाँ के निवासियों की सभा में हिस्सा लें। बच्चों की शिक्षा के संबंध में प्रतिदिन शाम में बच्चों को पढ़ने के लिए बैठाने की व्यवस्था करें। विद्यालय की मासिक बैठक में शिक्षक से मिलने के लिए एक तिथि निर्धारित करें, और उस तिथि को, यदि आपको अकेले मिलने में झिझक है, तो सभा के अन्य निवासियों के साथ मिलें।

यदि इस आदत की कमी के कारण अपने गरीबी को बहाना के रूप में उपयोग करते हैं तो ऐसा करना बंद कर दें। सबसे पहले जिस क्षेत्र में मजदूरी करते हैं वहाँ के सभी निवासियों के साथ निवासी सभा की बैठक लिखित एजेंडा के साथ नियमित रूप से करना शुरू कर दें। एक होकर काम करें जिससे एक-दूसरे से प्रेरित हों।

प्रश्न: पंचायत में या वार्ड में कोई शिकायत नहीं सुनता है।

चर्चा -

1. प्रश्न होना चाहिए वार्ड में वाजिब शिकायत कोई नहीं सुनता है।

2. वार्ड में कोई शिकायत सुनने के लिए नहीं होता है। सभी आपके तरह एक निवासी हैं और वे सभी सार्वजनिक सेवा का लाभ लेते हैं।

हाँ, अन्य निवासियों के साथ मिलकर उचित जगह पर शिकायत लेकर जा सकते हैं। यदि सिर्फ आपके कहने पर कोई सेवादाता शिकायत नहीं सुनता है तो निवासी सभा की बैठक में इस मुद्दे को एजेंडा में होना चाहिए और सम्मिलित प्रयास करना चाहिए। वार्ड में सभी निवासियों को साथ में आना होगा, और शिकायत को सभी के हस्ताक्षर के साथ मिलजुल कर सेवादाता या उनके वरीय मैनेजर या अधिकारी को देना होगा।

प्रश्न: कोर्ट-कचहरी के लंबी प्रक्रिया के चक्कर में हमलोग पड़ना नहीं चाहते।

चर्चा - संविधान में सार्वजनिक सेवा-सुविधा प्राप्त करने का सभी नागरिकों को अधिकार प्राप्त है। सामान्यत: सभी निवासी सेवादाता को प्रेरित एवं प्रोत्साहित कर अच्छी सेवा प्राप्त कर लेते हैं। परंतु अपना अधिकार प्राप्त करने के लिए यदि कानून का सहारा लेने की आवश्यकता महसूस होती है तो इसके लिए प्रयास तो करना ही पड़ेगा। सार्वजनिक स्तर पर यदि सभी निवासी साथ आते हैं तो किसी एक व्यक्ति पर उसका भार बहुत कम पड़ता है।

संविधान से कई सार्वजनिक विकास क्षेत्र एवं सेवा-सुविधा का सभी नागरिकों को अधिकार प्राप्त है:

- सभी बच्चों को 8वीं कक्षा तक शिक्षा का अधिकार
- सूचना का अधिकार
- खाद्य सुरक्षा का अधिकार
- सेवा प्राप्त करने का अधिकार
- अन्य

प्रश्न: विद्यालय में योग्य शिक्षक नहीं हैं ?

चर्चा - आपके क्षेत्र के विद्यालय में शिक्षक योग्य हैं या नहीं यह एक तकनीकी विषय है। इसे विशेषज्ञ को देखने देना होगा। इसके विस्तार में नहीं जाना चाहिए। हमें इस बात का पता करना होगा कि सार्वजनिक शिक्षा में तय प्राप्त शिक्षा का स्तर आपका बच्चा प्राप्त कर पा रहा या नहीं। इस तथ्य को आधार बनाना होगा। यदि शिक्षक के ज्ञान से आपके बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्ति में बाधा हो रही है तो इसकी सूचना मिलने पर सरकार शिक्षक की क्षमता को देखकर उपाय करे। आप बच्चों के नहीं सीखने की निरंतर शिकायत करते रहें। परन्तु सबसे महत्वपूर्ण, शिक्षक को स्थानीय स्तर पर प्रोत्साहित करते रहें।

प्रश्न: वार्ड पार्षद से शिकायत करने से दुश्मनी हो जाती है, इससे कैसे बचा जाए ?

चर्चा - यदि सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा पर दुश्मनी होती है तो निवासियों की सभा नहीं हो पाएगी। प्रयास करना होगा कि ऐसी नौबत नहीं आए। निवासियों की सभा में बहुमत का निर्णय सबों को सामान्यत: मान्य होता है। यदि सभा के निर्णय से आपको सार्वजनिक सेवाओं जैसे - पानी, बिजली, रोड, साफ-सफाई, इत्यादि अन्य निवासियों की तुलना में बहुत खराब मिल रही है तो इसे सभा में दुबारा उठाएँ एवं समाधान ढूँढ़े। वार्ड पार्षद से शिकायत करने पर दुश्मनी की आशंका है तो अपने क्षेत्र के निवासियों के साथ समूह में जाएँ। यदि दुश्मनी का कारण सार्वजनिक सेवा के अतिरिक्त कुछ और है तो उसे अन्य विधि से निदान ढूँढ़ने की आवश्यकता है।

प्रश्न: वार्ड पार्षद नहीं चाहते हैं कि कोई भी व्यक्ति किसी खास विशेष सेवादाता के विरुद्ध शिकायत करे।

चर्चा - यदि ऐसा है तो यह एक मूल समस्या है। वे हमारे जनप्रतिनिधि हैं। सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा का निदान वे नहीं करना चाहते हैं तो क्या हुआ हम निवासियों को तो अपने क्षेत्र के निवासियों की बैठक में समस्या को उठाकर उसका निदान खोजना होगा। इसे खुद से क्षेत्र के लोग कर सकते हैं। पहले उसे तो

करना शुरू कर दें और साथ में सेवादाता को इसकी शिकायत एवं निवेदन तथ्यों के साथ भी करें। पत्र की एक प्रति जनप्रतिनिधि को भी दें।

प्रश्न: प्रखण्ड में काम के लिए रिश्वत की मांग की गई।

चर्चा - आम तौर पर यह अवधारणा या सोच बन गई है कि प्रखंड या अन्य सरकारी कार्यालय में काम करवाने के लिए रिश्वत देनी होती है जोकि असत्य है। कानून के माध्यम से भी सभी नागरिकों को सार्वजनिक सेवा एवं सुविधा के समय-सीमा की गारंटी है - इनमें मापदंड एवं समय सीमा निर्धारित है। यदि बिना समझे-बूझे और तय मापदंड के बाहर जाकर सेवा प्राप्त करने के लिए रिश्वत देते हैं तो इसका जवाब किसी के पास नहीं हो सकता।

सामान्य परिस्थितियों में भी आपको परेशान किया जाता है तो तथ्य, समय एवं घटना का बिन्दुवार विवरणी यदि ऑडियो रिकॉर्डिंग कर पाते हैं, उसके साथ अपने क्षेत्र के निवासियों के बीच इसे एक मुद्दा के रूप में ले जाएँ और चर्चा में लाएँ। इस विवरणी एवं चर्चा पर लिखित निर्णय लेकर सभी निवासी इसे आगे ले जाएँगे। कुछ निवासी इस निर्णय को प्रखंड-जिला एवं आगे की कार्रवाई के लिए पत्र लिखेंगे।

मुख्य बात है कि चर्चा के लिए तथ्य में यह नहीं लें कि आपसे कोई रिश्वत माँगा परंतु यह लिखें कि आपको तय मापदंड के अनुसार सेवा नहीं मिली। तथ्य में रिश्वत एवं अन्य बातों की चर्चा आगे करें। ऐसा इसलिए कि हो सकता है कि कुछ शर्तों पर मापदंडों को आप भी पूरा नहीं कर पाएँ हो यह बात तथ्य में स्पष्ट होनी चाहिए।

प्रश्न: जनप्रतिनिधि के पहचान वाले अपना प्रभाव दिखाकर योजना की राशि गबन कर जाते हैं।

चर्चा - यह जाँच-पड़ताल (अन्वेषण) का मामला है। आप पहले यह देखें कि आपको तय सार्वजनिक सेवा प्राप्त हो रही है या नहीं। यदि सेवा का स्तर अच्छा है और आपको पक्की जानकारी है कि गबन किया गया है - फिर भी यह अन्वेषण का मामला है। इसकी सूचना तय कानूनी एजेंसी को देनी चाहिए। निवासियों की सभा ऐसे मामलों को लेने में तकनीकी तौर पर सक्षम नहीं होगी।

प्रश्न: किसी सुविधा की मरम्मत कैसे कराएँ ?

चर्चा - वार्ड-पार्षद या मुखियाजी या संबंधित सेवा एजेंसी से मालूम करें कि सरकार की ओर से इसके लिए फंड कितना है।

परिस्थिति 1 - यदि फंड में कमी है या बिलकुल ही नहीं है तो उस कमी को पूरा करने के लिए आपस में मिल - जुलकर पैसा जमा करें। सुविधा की मरम्मत कराएँ। निवासी सभा में कुछ लोग इस काम को कराने के लिए आगे आने चाहिए।

परिस्थिति 2 - इस कार्य के लिए सरकारी फंड है तो निवासी सभा में इसका लिखित निर्णय लेकर सभी संबंधित एजेंसी को पत्र लिखें और पीछे लगकर करवाएँ।

प्रश्न: हमलोग निवासी सभा करते हैं, लेकिन फायदा नहीं होता है। एजेण्डा को महत्त्व नहीं दिया जाता है।

चर्चा - निवासी सभा के कम-से-कम तीन तरह के फायदे है।

I. आपस में नियमित रूप से मिलना ही एक फायदा है।

II. आपस में मिलकर बहुत कुछ किया जा सकता है। अपनी पृष्ठभूमि एवं आवश्यकता के अनुसार बिना किसी सरकारी सहयोग से जो खुद से कर सकते हैं - उसे कर पाने की शुरूआत मिलने से ही होगी। जैसे - कूड़ा जहाँ- तहाँ रोड पर नहीं फेंकना, अपने सामने वाली गली में झाड़ू देना, चंदा मिलाकर पेड़-पौधा लगाकर खुले क्षेत्र को हरा भरा करना, इत्यादि।

    हो सकता है कुछ लोग अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आएँ और कुछ लोग बिल्कुल ही नहीं करें। एक विचार हो सकता है कि जो लोग अभी आगे नहीं आते हैं वे समय के साथ आगे आना शुरू कर देंगे।

III. ऐसा सार्वजनिक कार्य जो सरकार ही कर सकती है और इससे संबंधित एजेंडा के संबंध में, विश्वास करें सभी मिलजुलकर काम बाँट लें तो सेवा का स्तर कई गुणा बढ़ेगा और सरकार या सरकारी एजेंसियाँ भी अपना काम करेगी। एक-दो या छ: या ज्यादा बैठक से यह नहीं होगा तो भी आगे चलकर होगा। जो ज्यादा फॉलो करेगा वहाँ सरकारी लाभ ज्यादा जाएगा। अकेले फॉलो नहीं कर सकते, सभी लोग काम बाँटकर इसके बारे में पता कर सकते हैं एवं फॉलो कर सकते हैं। यदि किसी तथ्य के बारे में पता करने की आदत नहीं है तो थोड़ा कोशिश करें। धीरे-धीरे किसी तथ्य के बारे में पता करने की आदत बन जाएगी।

एजेण्डा को महत्त्व, समय के साथ जरुर मिलना शुरू हो जाएगा।

प्रश्न: सरकारी योजना का लाभ वार्ड-पार्षद अपने लोगों को देते हैं। हमलोग क्या करें?

चर्चा - यह जाँच पड़ताल (अन्वेषण) का मामला है। आप पहले यह देखें कि आपको तय सार्वजनिक सेवा प्राप्त हो रही है या नहीं। यदि सेवा का स्तर अच्छा है और आपको पक्की जानकारी है कि, सरकारी योजना का लाभ अपने लोगों को देते हैं - फिर भी यह अन्वेषण का मामला है। इसकी सूचना तय कानूनी एजेंसी को देना चाहिए। निवासियों की सभा ऐसे मामलों को लेने में तकनीकी तौर पर सक्षम नहीं होगी।

प्रश्न: सरकारी योजना का लाभ जरूरतमंद लोगों को नहीं मिलता है क्या करें ?

चर्चा - सरकारी योजना का लाभ जरूरतमंद लोगों को नहीं मिलने के कुछ खास कारण हैं, जैसे - योजना निर्माण में सभी लोगों की भागेदारी का नहीं होना, योजना के बारे में लोगों में जानकारी का अभाव, जनप्रतिनिधि पर लोगों की जरूरत से ज्यादा निर्भरता, सार्वजनिक सेवाओं एवं सुविधाओं के प्रति लोगों की उदासीनता ईत्यादि।

सबसे पहले हम निवासियों को लक्ष्य तय करना होगा कि, कोई व्यक्ति कमजोर या जरूरतमंद नहीं होगा। यह मिल-जुलकर ही कर पाना संभव है। अपने क्षेत्र में निवासियों की सभा में हिस्सा लिजिए और ऐसे मामलों को पत्र के माध्यम से नियमित रूप से सरकारी अधिकारियों को दीजिये और उसका फौलोअप किजिये।

प्रश्न: गली-नाले की सफाई के लिए वार्ड में पैसा आता है, फिर भी सफाई नहीं होती है। हम क्यों करें ?

चर्चा - सफाई वाले रास्ता से आपको गुजरना है या पैसा देनेवाली या सफाई करने वाले एजेंसी को गुजरना है ? रास्ता साफ नहीं चाहिए तो सफाई मत कीजिए। सफाई का पैसा आता भी है, तो आपको जो करना है उसे तो करना ही पड़ेगा। जैसे - कूड़ा सही जगह पर फेंकना, पॉलीथीन का प्रयोग बिलकुल ही नहीं करना, सेवादाता के पास सेवा स्तर की कमी को लिखित रूप में उठाते रहना इत्यादि।

साफ-सफाई की कमी को आधार बनाकर सेवादाता (नगर-निगम अंचल के अधिकारी) को पत्र लिखें और उसको नियमित रूप से पता करते रहें। अकेले नहीं करना चाहिए। सभी निवासी काम बाँटकर आपस में करें।

प्रश्न: लोग गली में कूड़ा फेंकते हैं, कुछ कहने पर विवाद होता है फिर हम क्यों झगड़ा मोल लें ?

चर्चा - सबसे पहले सुनिश्चित करें कि “निवासी-सभा” नियमित रूप से हो। अकेले बोलेंगे तो झगड़ा होने की संभावना ज्यादा है। “निवासी-सभा” में इसे तथ्य के साथ एजेंडा के रूप में शामिल करें और चर्चा करें। चर्चा में ली गई निर्णय के अनुसार की जानेवाली कार्रवाई को मिलजुलकर करें। जैसे - कूड़े फेंकने की कूड़ादान की व्यवस्था करना या कूड़ा उठाने की व्यवस्था, नगर निगम की सेवा को सही करने के लिए “निवासी-सभा” की ओर से पत्र लिखना इत्यादि।

“निवासी-सभा” की जिम्मेदारी बनती है कि जो लोग जहाँ-तहाँ कूड़ा फेकते हैं उन पर आर्थिक दंड लगाया जाए।

प्रश्न: लोग सड़क पर शौच करते हैं उनको मना करने पर विवाद होता है फिर किस-किस से झगड़ा करते रहें?

चर्चा - "आप-निवासी" सभा में इन मुद्दों को उठा सकते हैं। निवासी सभा इस बात का पता लगाएगी कि वे लोग खुले में शौच क्यों करते हैं? संभव है, उनके पास शौचालय नहीं है या जो आर्थिक रूप से शौचालय बनाने में सक्षम नहीं हैं। इन सूचनाओं के साथ, "निवासी-सभा" में इसे एजेंडा के रूप में शामिल करें और चर्चा करें। चर्चा में निर्णय के रूप में की जानेवाली कार्रवाई की चीजों को मिल-जुलकर करें।

"निवासी-सभा" की जिम्मेवारी बनती है कि जो लोग शौचालय की सुविधा के बाद भी खुले का प्रयोग शौच त्याग के लिए करते हैं उन पर आर्थिक दंड लगाया जाए।

प्रश्न: मेरा बच्चा इस क्षेत्र के विद्यालय में नहीं पढ़ता है, फिर हम क्यों विद्यालय की चर्चा या कार्य में शामिल हो ?

चर्चा - बच्चों का पढ़ना या पढ़ाना किसी व्यक्ति या परिवार की निजी आवश्यकता तो है ही, यह एक सार्वजनिक जिम्मेदारी या सम्मिलित कर्त्तव्य भी है। भारत के संविधान में 14 वर्ष उम्र तक के सभी बच्चों की कक्षा (8 तक की शिक्षा) एक मौलिक अधिकार है और सभी बड़ों की जिम्मेवारी। एक क्षेत्र में कोई बच्चा बाल मजदूरी नहीं करे और सभी बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त करे यही लक्ष्य "निवासी-सभा" में लेना होगा। आप एक व्यक्ति के रूप में तय करें कि आप "निवासी-सभा" का हिस्सा है या नहीं और उसके इस निर्णय में साथ देंगे या नहीं।

ध्यान दें कि शिक्षित बच्चा चाहे किसी का भी हो, हम सभी व्यक्तियों के निजी जीवन को साकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है।

प्रश्न: मुखिया एवं वार्ड-पार्षद को हमलोगों ने ही चुना है, वार्ड का काम करने के लिए, फिर हम क्यों देखें?

चर्चा - आप कुछ भी बोल लें आपको सेवा प्राप्त हो रही है या नहीं, इसे सबसे पहले आपको ही देखना है, इसके बाद ही कोई और देख सकता है। यदि देखा जाए तो चुनाव एवं जनप्रतिनिधि का प्रावधान आपके सार्वजनिक सेवा प्राप्ति के लिए एक महत्त्वपूर्ण तंत्र है। जितना आप उनका साथ नियमित रूप से देंगे उतना ही वे प्रभावी और मददगार होंगे। वे सिर्फ एक व्यक्ति के रूप में प्रयास करेंगे तो वे सफल नहीं हो सकते। उनके साथ आवश्यकता अनुसार आपको भी रहना होगा। सब कुछ उनके भरोसे छोड़कर बैठ जाएँगे तो वे कुछ ज्यादा नहीं कर पाएँगे।

एक मात्र माध्यम दिखता है, नियमित रूप से निवासियों की बैठक होना और उसके बाद आप सबों के द्वारा अपनी-अपनी छोटी भूमिका निभाना। महीना में 2-3 घंटे का समय देने से सार्वजनिक सेवा का कायाकल्प हो सकता है। आपके जनप्रतिनिधि बहुत अधिक कारगर होंगे।

प्रश्न: हमको यह सब करने से फायदा क्या है?

चर्चा - आपको महीने में 2-3 घंटे समय देना है और बदले में सभी सार्वजनिक सेवाएँ बेहतर रूप में पाना है। आपके समुदाय के लक्ष्य के अनुसार, कुछ साधारण फायदे नीचे दिए गए हैं -

- आपसी सहयोग
- साफ सुथरी गली और सड़क
- गलियों-सड़कों पर रात में रौशनी
- अच्छा स्कूल और स्कूल में बच्चा सीखेगा
- हरा-भरा वातावरण। पेड़ गायब ही हो गया है, वापस वृक्षारोपण

  और क्या चाहिए.....

प्रश्न: आपलोगों को तो "निवासी-सभा" कराने के लिए पैसा मिलता है ?

चर्चा - हाँ, यह भी एक सेवा है, जो लोग "निवासी-सभा" सहजीकरण के लिए काम कर रहे हैं उन्हें उनका मेहनताना मिलता है। आपको भी इस सेवा के लिए उनके मेहनताना में आपको आपका हिस्सा देना होगा।

------ X ----- X ----- X -----

कुछ अन्य प्रश्न जिसका जवाब इस पुस्तक में समय से साथ जोड़ा जाएगा।

- जिन लोगों ने गलत किया है, वे निवासियों की सभा में नहीं आएँगे।
- समस्या को हमलोगों ने हल करने का प्रयास किया लेकिन नहीं हुआ तो छोड़ दिया।
- पैसा देने के बाद भी कोई संस्था या ऐजेंसी काम करने के लिए आगे नहीं आती है।
- प्रॉब्लम बहुत बड़ा है आगे क्या करें ?
- गरीब लोग कहाँ जाएँगे ?
- एक खास समुदाय के लोग मीटिंग में नहीं आ पाते हैं तो उनकी भागीदारी कैसे होगी ?
- जो गलत करते हैं वे निवासी सभा में कैसे आएँगे ?
- अधिकारी लोग बिना किसी प्लानिंग के आर्डर दे देते हैं और चीजें गलत हो जाती है।
- लोग खुद क्या करेंगे, यह निवासी सभा में तय नहीं हो पाता है।
- सभी का ध्यान बड़े मुद्दे पर जाता है छोटे मुद्दे पर लोग ध्यान नहीं देते हैं।
- अगर आप हमें पहले से सूचना देते तो हम भी सड़क पर झाड़ू देने में आपका साथ देते।

- मीटिंग एक छोटे इलाके में होनी चाहिए।
- वार्ड काउन्सलर मीटिंग में नहीं आते हैं।
- जो व्यक्ति ज्यादा उत्साह दिखाते हैं उनके बड़े उत्साह में लोगों का छोटा उत्साह छिप जाता हैं।
- यदि कोई स्थानीय व्यक्ति उत्साह नहीं दिखाता हैं तो क्या होगा ?
- बैठक में लोग एक दूसरे पर सीधा आरोप लगाते हैं, इससे दूसरों को बुरा लगता है।
- सभा मे सिर्फ मकान मालिक ही आते हैं अन्य लोग नहीं आ पाते हैं।
- आस-पास के लोग मीटिंग में आते ही नहीं हैं।
- हमलोगों ने अपने इलाके में सड़क पर रोशनी कर लिया हैं, लेकिन बाहर निकलने पर अँधेरा रहता है।
- हम तो मिलते ही हैं आपने कोई नयी बात तो बताई नहीं है।
- तय दिन तथा तय तिथि को मिलना संभव नहीं है।
- म्यूनिसपल कार्पोरेशन या अन्य विभाग के कर्मचारी कुछ करते ही नहीं हैं तो उनके पीछे कौन और कितना लगा रहेगा ?
- हमलोग हमेशा मिल-जुलकर साफ सफाई करते हैं, आज बरसात के कारण साफ सफाई नहीं हुई है।
- हमलोग जरुरत के अनुसार बैठक करते ही हैं।
- लोग चर्चा में कमजोर वर्ग के लिए संघर्ष की बात करते हैं।
- वार्ड-काउन्सलर कहते हैं कि आम मीटिंग में कोई आते ही नहीं है।
- वार्ड काउन्सलर कहते हैं कि लोग मेरे ऊपर केवल दोषारोपण करते हैं।
- वार्ड काउन्सलर कहते हैं, कि हमारे पास पर्याप्त मात्रा में मजदूर नहीं है।
- कुछ करते हैं तो हो जाता है फिर कुछ दिन के बाद जस-के-तस पहले जैसा हो जाता है।
- जिन लोगों ने गलत किया है वे नहीं चाहते हैं कि निवासियों की बैठक हो।
- जो समय मिलता है उसमें आराम करना, रिश्तेदारों से मिलना एवं टीवी देखना होता है। बड़ा मुश्किल है हम सब के लिए समय निकालना।
- इसका फायदा होगा तो कुछ किया जा सकता है, पर कुछ फायदा तो हो।
- मीडिया में नहीं आने पर लोग हतोत्साहित हो जाते हैं।
- मीटिंग एक घंटे से ज्यादा संभव नहीं है।
- जो काम करते हैं वे मीटिंग में बैठना नहीं चाहते, और जो मीटिंग में बैठते हैं वे काम करना नहीं चाहते हैं।
- जिस समूह के लोग निवासी सभा में हिस्सा लेते हैं, वे अन्य समूह के लोगों को सभा में शामिल नहीं करना चाहते हैं। यदि करना चाहते भी हैं तो उन्हें अपनी चर्चा में शामिल नहीं कर पाते हैं।
- जो धनी एवं सर्वसम्पन्न क्षेत्र है। वहाँ निवासियों की सभा की क्या आवश्यकता है?

------ X ----- X ----- X -----